एक गुलाम लड़की अपने अन्य जाति के स्वामी की सहायता करती है।

बच्चों को शिक्षा दे कि वह हमसे भिन्न लोगों से प्रेम करें।

प्रार्थना: प्यारे परमेश्वर, इस अध्ययन के द्वारा बच्चों की सहायता करे कि वह उन लोगों को जो भिन्न है, अन्धे है, बहरे है तथा अन्य सस्कृति के है, से प्रेम करें।

उस गतिविधि यों को चुनिये जो बच्चों की आयु, समझने की क्षमता तथा आवश्यकता के अनुसार हो।

2 राजा अध्याय 5:1-16 पढ़कर नामान पुराना आमियन (सीरिया) का सेनापति था, जिसको कोढ़ था, की शिक्षा देने की तैयारी करें। यह बताती है कि उसको परमेश्वर का प्रेम पाने में इस जवान लड़की ने कैसे सहायता की।

कोई बड़ा बच्चा इस कहानी को पढ़े या सुनाए। फिर यह प्रश्न पूछे। *(हर प्रश्न के बाद उत्तर है)*

- नामान किस तरह का मनुष्य था और उसको क्या बीमारी थी *(देखें पद 1)*
- एक इस्रएली लड़की क्यो एक आमियन परिवार के साथ रहती थी? *(देखें पद 2)*
- लड़की ने अपने स्वामी के प्रति कैसे प्रेम दर्शाया जबकि वह गुलाम थी *(3)*
- एलीशा ने नामान को चंगाई पाने के लिए क्या करने को कहा *(पद 10)*
- नामान ने एलीशा के निर्देश के बारे में कैसा महसूस किया *(पद 11)*
- नामान एलीशा से कैसे व्यवहार की अपेक्षा करता था *(पद 11, नामान चाहता था कि वह कोई प्रभावित करे, क्योंकि वह अमीर और सम्मानित व्यक्ति था)*
- किसने नामान को नबी के निदेर्शों को मानने के लिए कहा *(पद 13)*
- एलीशा ने नामान को चंगा करने के पैसे क्यों नहीं लिऐ *(पद 16, एलिशा चाहता था कि नामान यह समझे कि उसकी अमीरी या महत्वपूर्ण होने की वजह से वह चंगा नहीं हुआ, बल्कि उसने परमेश्वर पर विश्वास किया और आज्ञा को माना)*

नामान की चंगाई का नाटक करें, अगर चाहे तो कुछ आगे ही करें।

- कलीसिया के मुख्य आराधक से मिलकर, बच्चों को यह नाटक करने का प्रबन्ध करें।
- बड़े बच्चे, जवान बच्चों की सहायता करें।
- बड़े बच्चे और पुरूष लड़की, पत्नी, नामान, गेहजी, इस्राएल का राजा, एलीशा और वर्णनकर्त्ता का पात्र करें। नामान एक कागज का टुकड़ा पकड़े।
- छोटे बच्चे नामान के नौकरों का अभिनय करें।

वर्णनकर्त्ता: 2 राजा अध्याय 5:1-16 से कहानी सुनाए, फिर कहे, "सुनो लड़की नामान की पत्नी से क्या कहती है।

लड़की: स्वामि, मेरा स्वामी नामान दु:खी है क्योंकि उसको कोढ़ है। मैं उसकी सहायता करना चाहती हूँ। उससे कहिए इस्राएल जाकर परमेश्वर के नबी से मिलें।

पत्नी: नामान के पास जाकर कहती है, "पति, आपने सबकुछ अजमाया। इस्राएल जाकर नबी को ढूंढों। हो सकता है वह तुमको चंगा कर दे।

नामान: मैं अपने आराम के राजा से कहूँगा कि वह एक प्रार्थना पत्र भेजे (अपने नौकर के साथ राजा के पास जाता है, झुककर, उसको कागज देता है) कहता है, "इस्राएल के महान राजा। कृपया मेरे राजा द्वारा आराम से भेजा यह प्रार्थनापत्र पढ़ें। मुझे बताए नबी कहाँ है जो मुझे कोढ़ से चंगा कर सकता है।"

इस्राएल का राजा: क्या मैं परमेश्वर हूँ जो कोढ़ ठीक कर सकता है। तुम्हारा राजा हमसे लड़ाई करना चाहता है।

नामान और नौकर: सिर नीचे किए दु:खी होकर चले जाते हैं। नौकर कहता है, कितना अफसोस, कोई भी गन्दी बिमारी ठीक कर सकता

गेहजी: नामान के पास जाता और नमस्कार करता है। सेनापति नामान, मेरा स्वामी एलीशा नबी है, वह तुमको एक सच्चे परमेश्वर की सामर्थ दिखाएगा। आओ और उससे मिलो।

नामान: अपने नौकर से कहता है। अब हम किसी ऐसे से मिलेंगे जो बड़ी शक्तियाँ प्रयोग करता है। क्योंकि मैं शक्तिशाली आदमी हूँ और बहुत पैसा दे सकता हूँ।

गेहजी: नामान, मेरे स्वामी ने कहा कि तुमसे कहें, जाकर सात बार यर्दन नदी में स्नान करे"।

नामान: (गुस्सो से) ''नही! मै उस गडे पानी मे नही नहाउंगा! हमारे नदिया काफी साफ है।''

नौकर: इस तरह कहता है "अगर वह कुछ कठिन काम करने को कहता तो क्या तू नहीं करता। कृपया चलो। वही करो जो परमेश्वर का नबी कह रहा है।

नामान: नदी में सात बार डुबकी का बहाना करते हुए।

नौकर: देखो। इसका कोढ़ चला गया, यह ठीक हो गया।

नामान: एलीशा के पास जाकर कहता है, मैं तुम्हें इस आश्चर्यकर्म के लिए बहुत भेंट दूँगा।

एलीशा: नहीं, परमेश्वर को पैसा नहीं चाहिए। उसने तुम्हें चंगा किया यह दिखाने के लिए कि वही एक सच्चा परमेश्वर है।

नामान: लड़की के पास जाकर, झुककर कहता है "धन्यवाद छोटी लड़की एक सच्चे परमेश्वर को जानने में मेरी सहायता की। तूने मेरी परवाह की हाँलाकि मैं तुझे तेरे देश से गुलाम बना कर लाया था।

वर्णनकर्त्ता: उन सबका धन्यवाद जिन्होंने नाटक में सहायता की। लोगों को सुनने के लिए धन्यवाद।

प्रश्न: यदि बच्चे इस कहानी का नाटक लोगों के लिए प्रस्तुत करना चाहते है तो वह लोगों से ऊपर दिए गए प्रश्न पूछें।

बच्चे नदी में खड़े एक आदमी के चित्र की नकल करें।

- बच्चे यह चित्र आराधना के समय बड़ों को दिखाएँ।
- वर्णन करें कि परमेश्वर बच्चों के प्रेम का इस्तमाल करता है लोगों की सहायता के लिए कि वह जाने कि वह चंगाई देता है और पापों को क्षमा करता है।

विचार विमर्श: बच्चे उन लोगों का उदाहरण दे जो हमसे फर्क है, जिनको हम प्यार कर सकते हैं और उनकी सेवा की।

कविता: तीन बच्चे अय्यूब अध्याय 42:1-6 की दो-दो पद दोहराए।

बड़े बच्चे कविता, या गाना लिखे जो भजनसंहिता 67 के वचनो या विचारो से हो, परमेश्वर का प्रेम सब देशों के लोगों के लिए। वह इसको सप्ताह के बीच में कर सकते हैं।

भजनसंहिता 67:2-3 याद करें।

प्रार्थना: प्यारे परमेश्वर, जो लोग हमसे भिन्न है उनसे प्रेम करने में हमारी सहायता करें। हमारी मदद करे कि हम अन्धों, बहरों, अन्य संस्कृति के झुण्ड तथा धर्मो से प्रेम करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net